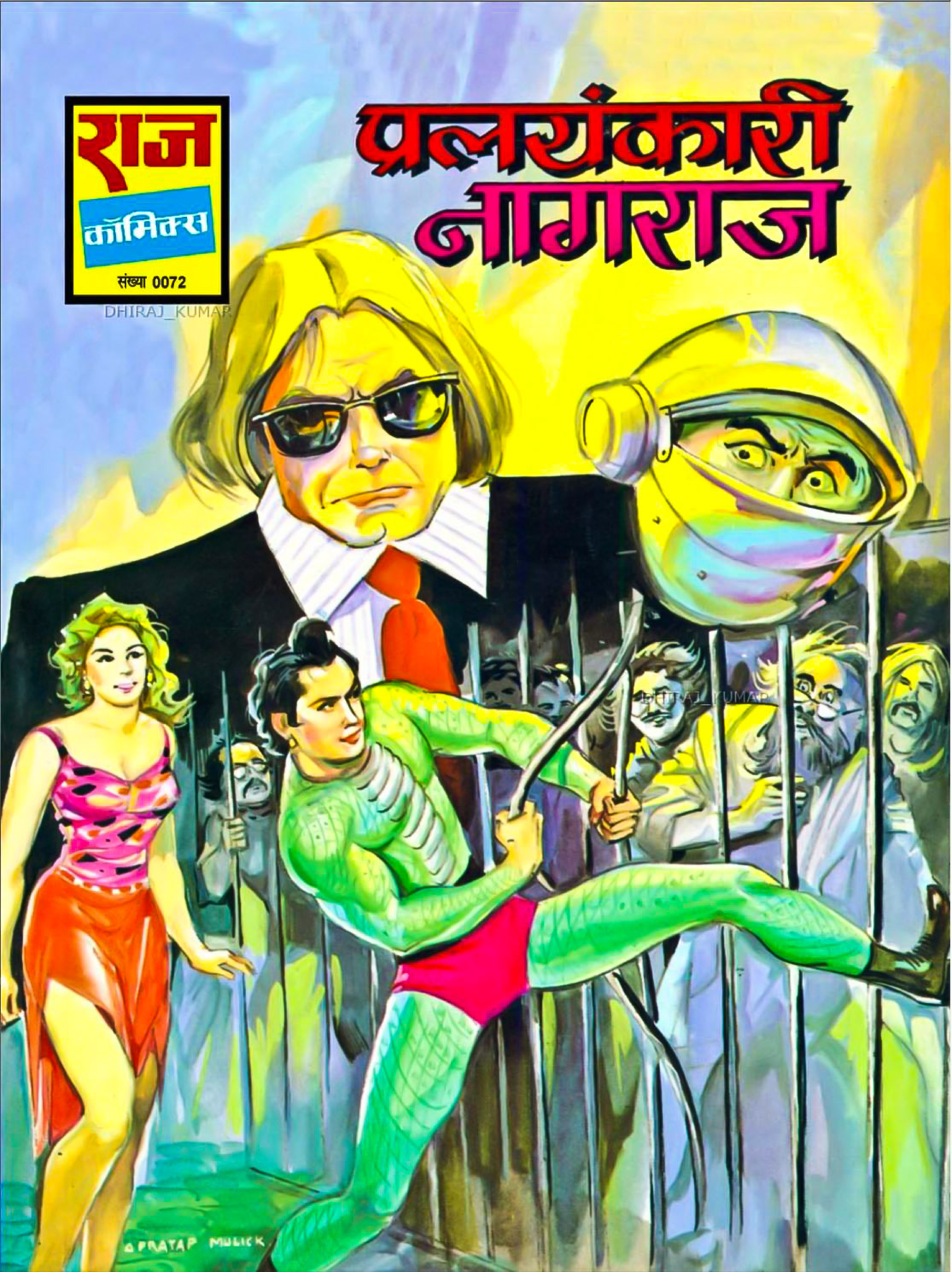
राज
कॉमिक्स
संख्या 0072
प्रलयंकारी
नागराज
PRATAP MULICK

प्रलयंकारी नागराज

● लेखक : राजा ● कला दिग्दर्शक : प्रताप मुळीक ● सम्पादक : मनीष गुप्ता
● चित्रकार : मिलींद मुळीक, विनय कुमार

खूनी जंग में आपने पढ़ा :- न्यूयार्क के विलियम का खात्मा करने के बाद अब नागराज को सीमैन की तलाश थी। न्यूयार्क में उसके दोस्त डॉन ने उसे बताया कि मोण्टकार्लो में गैम्बलिंग फाइट का संचालक डी-सिल्वा ही उसे सीमैन तक पहुंचा सकता है। नागराज मोण्टकार्लो के विमान पर सवार हुआ, लेकिन किन्हीं अज्ञात लोगों ने उसे उड़ते विमान से पैरिस शहर के ऊपर ही कूदने पर मजबूर कर दिया। लेकिन नागराज नागछतरी की मदद से बच गया। पैरिस के गैम्बलिंग फाइटर कैफी को हराकर वह डी-सिल्वा तक पहुंचता है। डी-सिल्वा उसे सीमैन से मिलाने के लिए अपने साथ मोण्टकार्लो लेकर पहुंचता है और उसे एक होटल में ठहराकर गायब हो जाता है। नागराज जिस समय होटल के रेस्तरां में बैठा दूध पी रहा था, मोण्टकार्लो का तूफान हण्टर वहां आकर उसे ललकारता है। दोनों में जमकर लड़ाई होती है।...

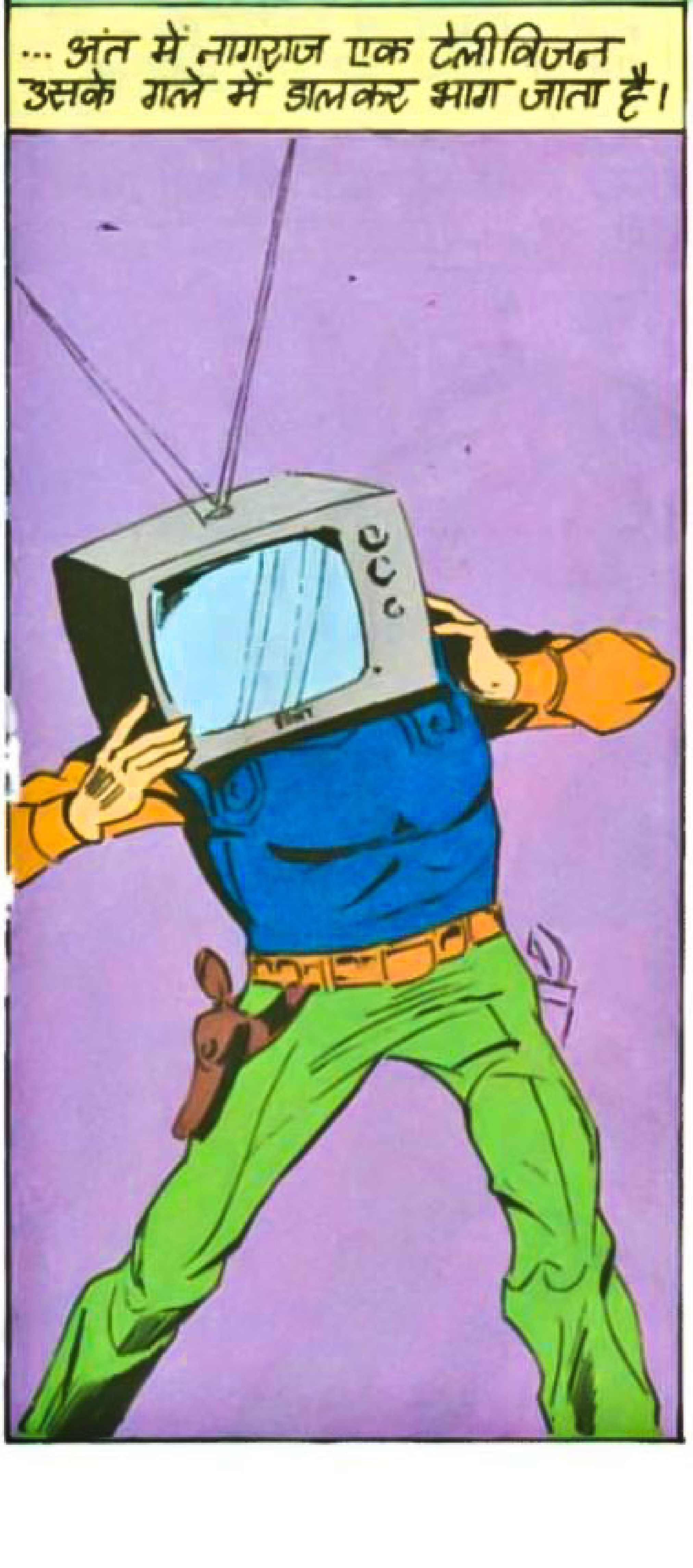

DHIRAJ_KUMAR

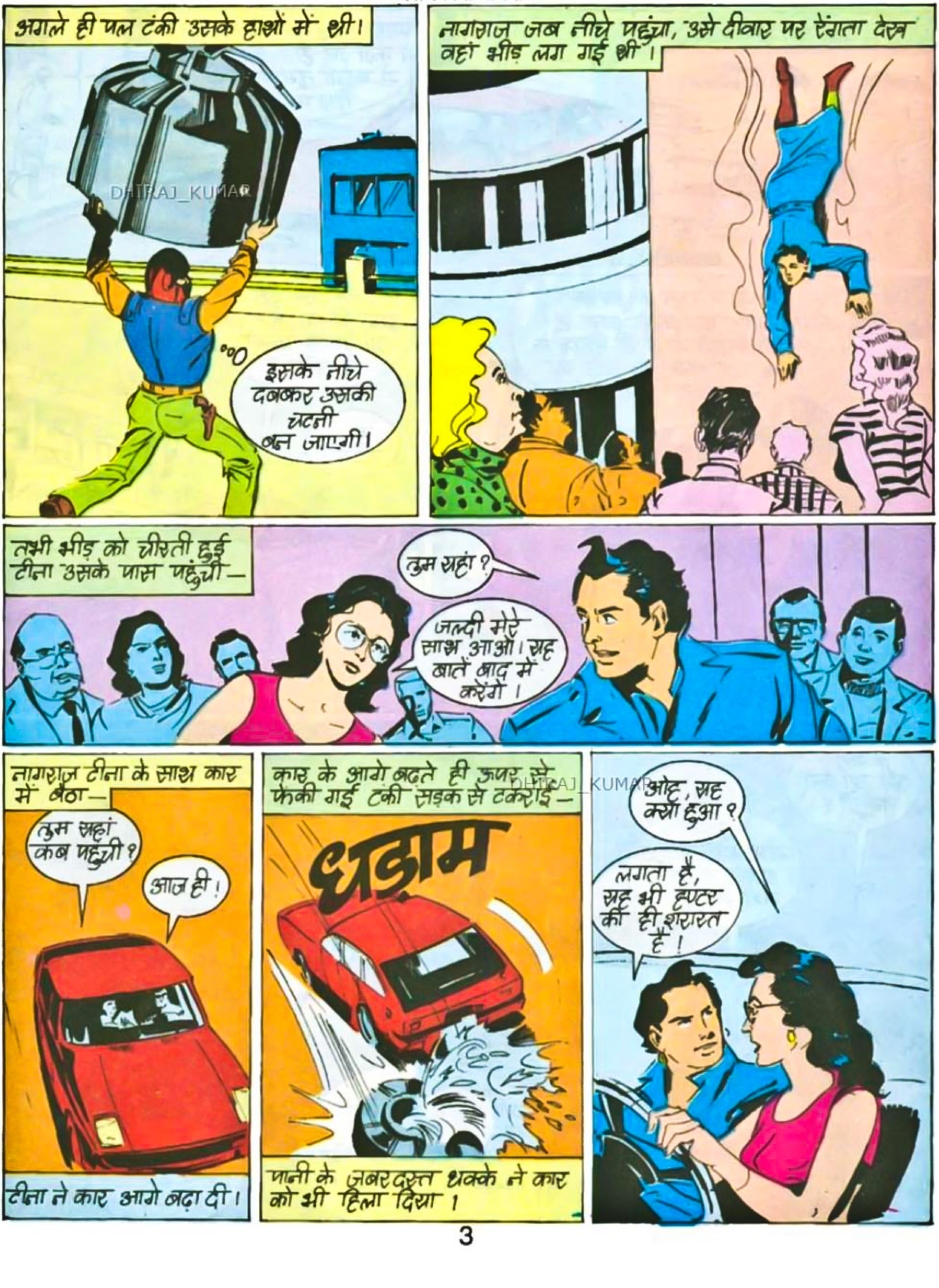

DHIRAJ_KUMAR

टीना ने कार वहां से निकाल दी -
नागराज ! यह तुम किस चक्कर में फंस गए हो ? जब मैं होटल में पहुंची तुम हण्टर के सिर पर टी.वी. मार रहे थे ।
टीना ! मैं यूरोप, यहां के आतंकवादी सीमैन को खत्म करने आया हूं। इसी सिलसिले में मैं डी-सिल्वा के साथ यहां आया था और यह तो शुरुआत है प्रलय की !
तो इतना जो कुछ तुमने किया, करा सब सीमैन से मिलने के लिए ?
हां टीना !
लेकिन तुम यहां कैसे पहुंची ?
कल मोण्टकार्लो में हुए धमाके में जो मंत्री मरा है...
... मैं उसी की खोजबीन के लिए यहां पहुंची हूं। वह धमाका बारूदी सुरंग का था, जिसमें सीमैन का ही हाथ था।
यानि हम दोनों एक ही डाल के पंछी हैं !

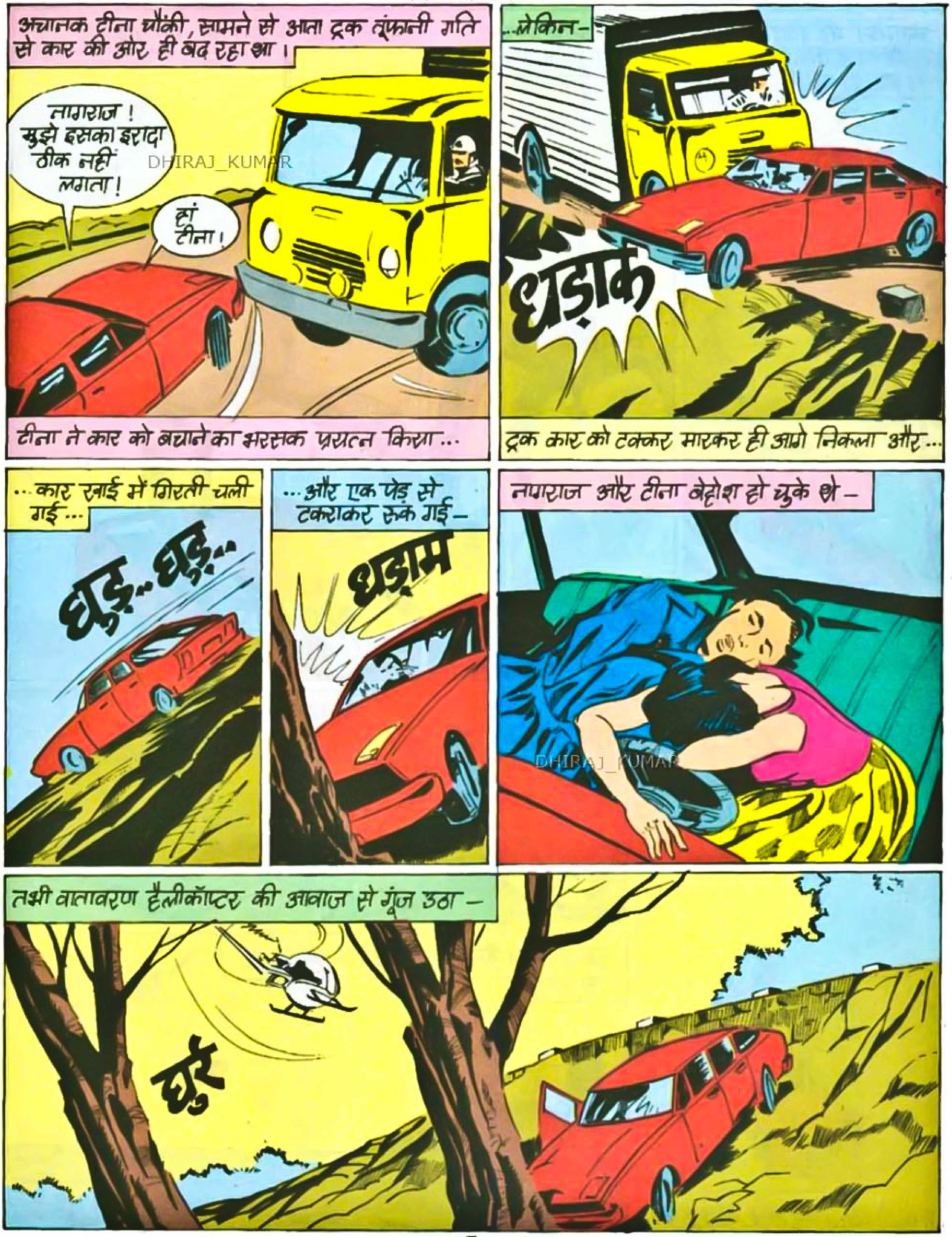
अचानक टीना चौंकी, सामने से आता ट्रक तूफानी गति से कार की ओर ही बढ़ रहा था।
नागराज! मुझे इसका इरादा ठीक नहीं लगता!
हां टीना।
टीना ने कार को बचाने का भरसक प्रयत्न किया...
...लेकिन–
धड़ाक
ट्रक कार को टक्कर मारकर ही आगे निकला और...
...कार खाई में गिरती चली गई...
घड़..घड़..
...और एक पेड़ से टकराकर रुक गई–
धड़ाम
नागराज और टीना बेहोश हो चुके थे –
तभी वातावरण हैलीकॉप्टर की आवाज से गूंज उठा –
घुर्र

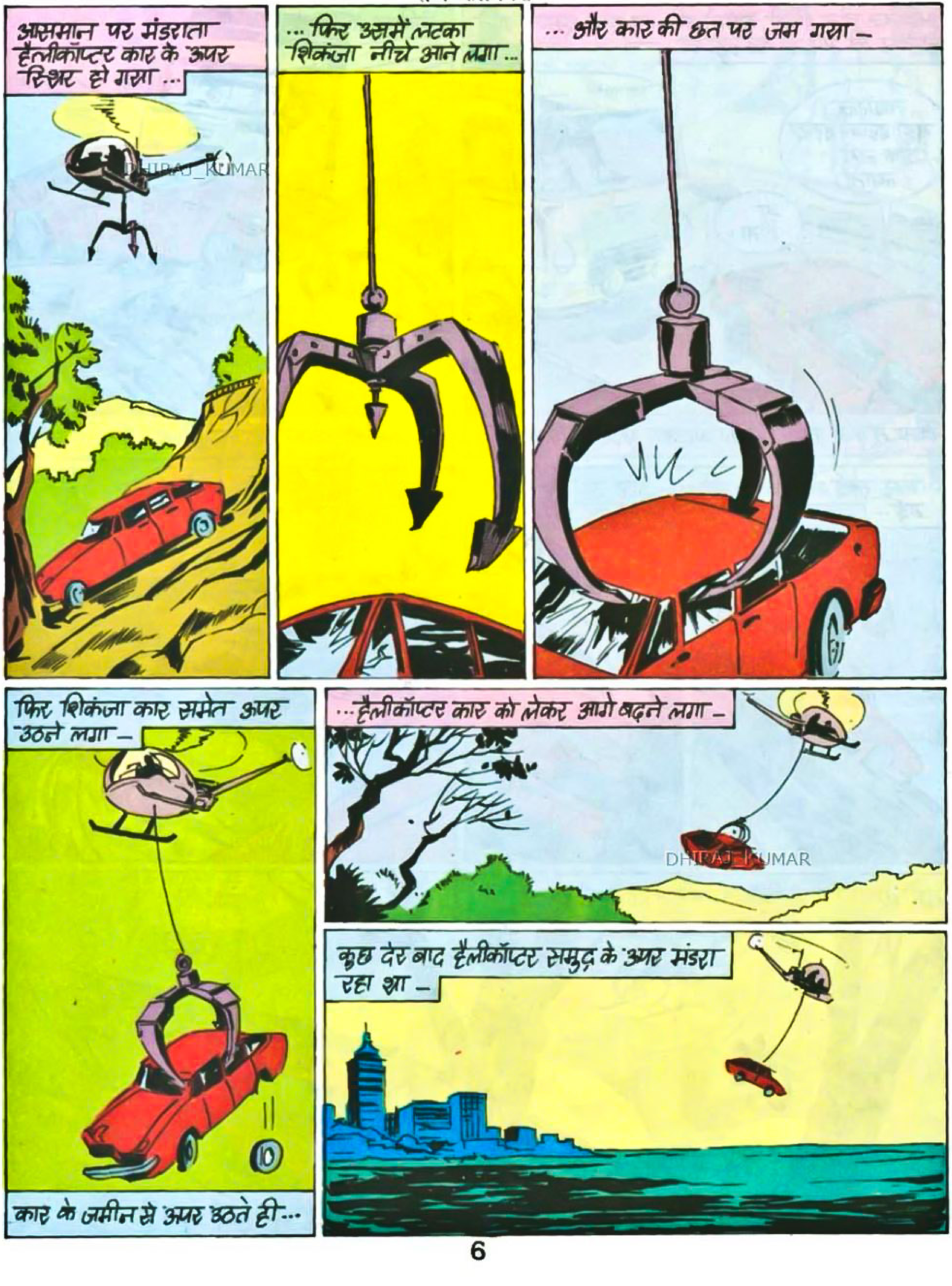
आसमान पर मंडराता हैलीकॉप्टर कार के ऊपर स्थिर हो गया...
...फिर उसमें लटका शिकंजा नीचे आने लगा...
...और कार की छत पर जम गया—
फिर शिकंजा कार समेत ऊपर उठने लगा—
कार के जमीन से ऊपर उठते ही...
...हैलीकॉप्टर कार को लेकर आगे बढ़ने लगा—
कुछ देर बाद हैलीकॉप्टर समुद्र के ऊपर मंडरा रहा था—

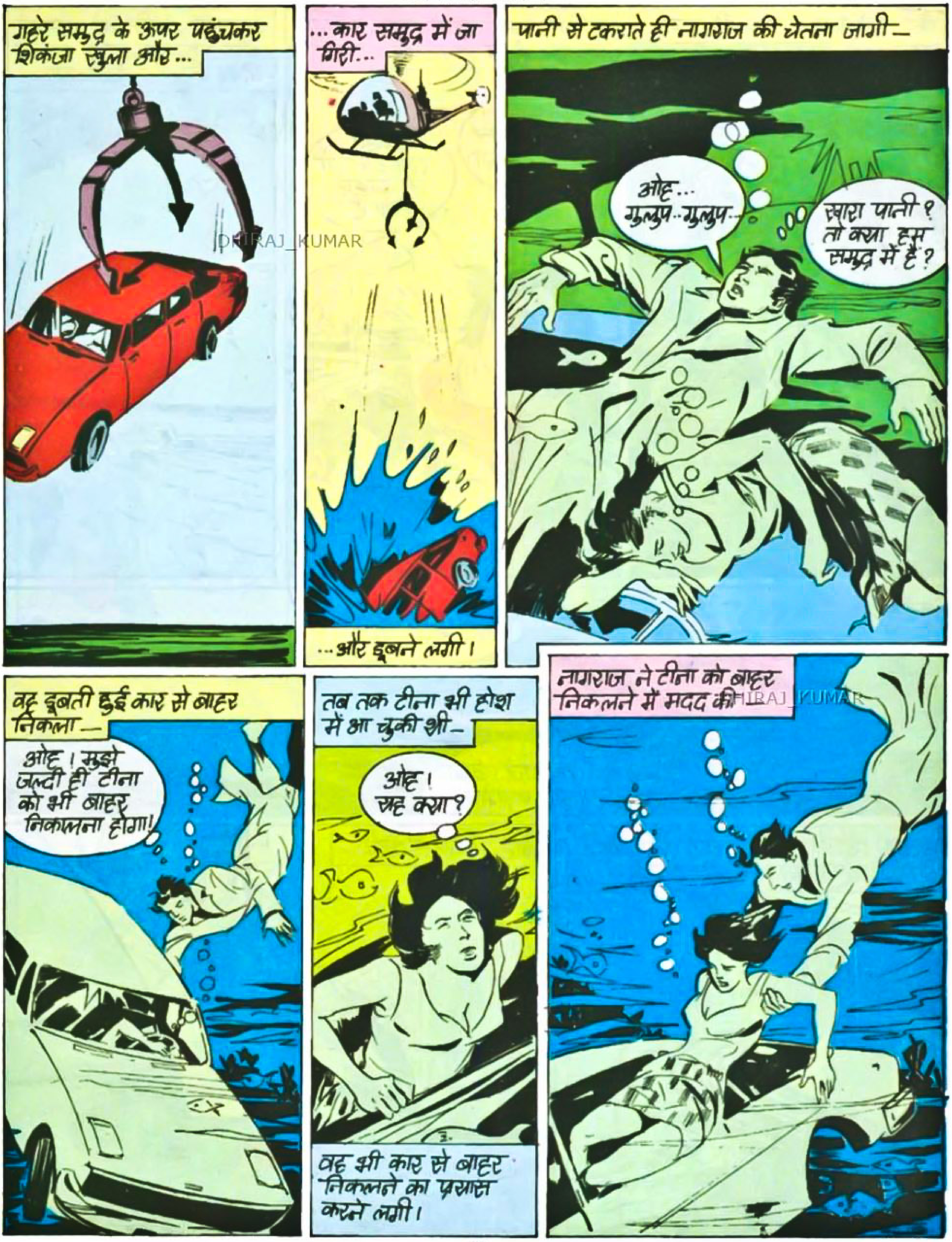
गहरे समुद्र के ऊपर पहुंचकर शिकंजा खुला और...
...कार समुद्र में जा गिरी...
...और डूबने लगी।
पानी से टकराते ही नागराज की चेतना जागी—
ओह... गुलुप..गुलुप
खारा पानी? तो क्या हम समुद्र में हैं?
वह डूबती हुई कार से बाहर निकला—
ओह! मुझे जल्दी ही टीना को भी बाहर निकालना होगा!
तब तक टीना भी होश में आ चुकी थी—
ओह! यह क्या?
वह भी कार से बाहर निकलने का प्रयास करने लगी।
नागराज ने टीना को बाहर निकलने में मदद की—

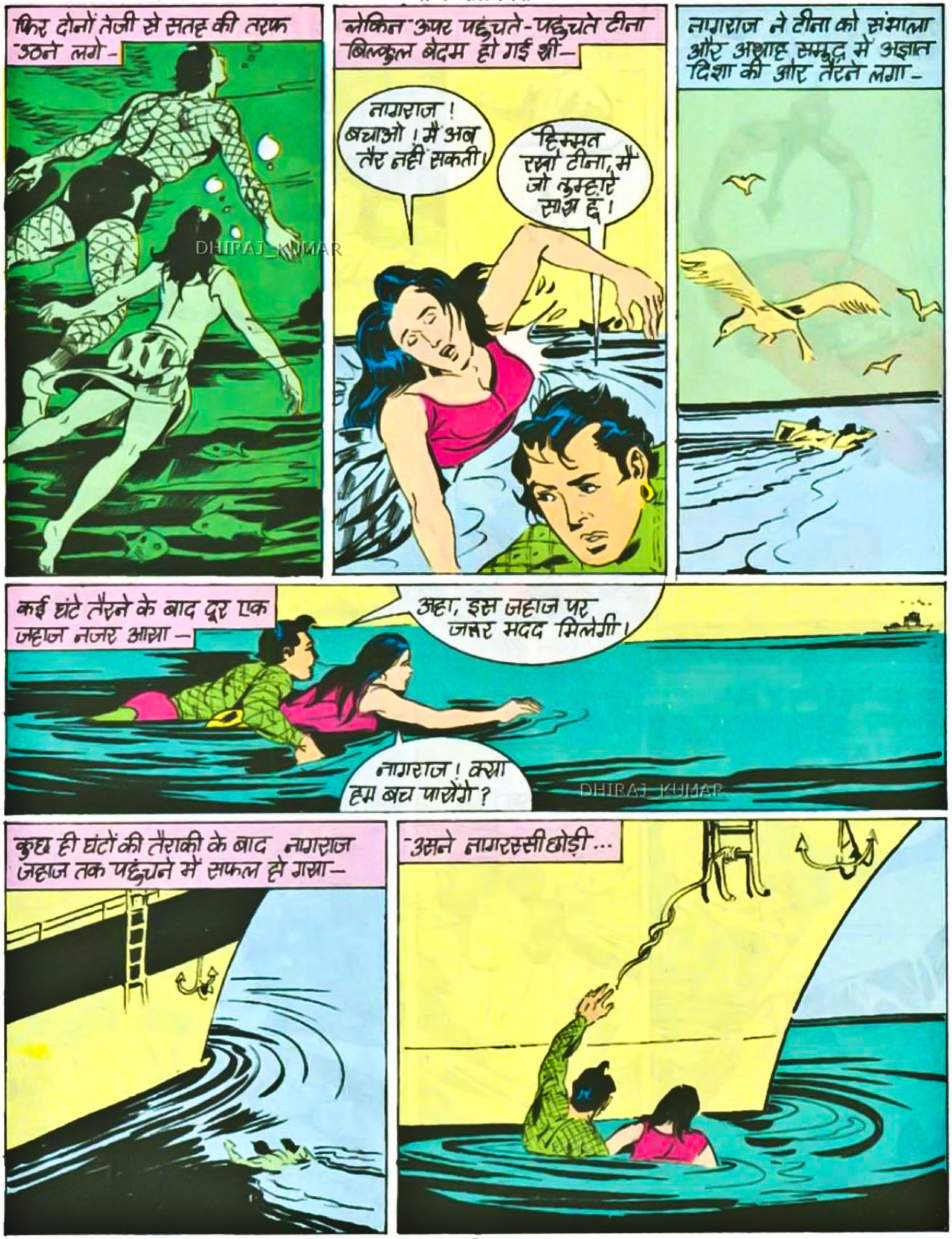
फिर दोनों तेजी से सतह की तरफ उठने लगे–
लेकिन ऊपर पहुंचते-पहुंचते टीना बिल्कुल बेदम हो गई थी–
नागराज! बचाओ! मैं अब तैर नहीं सकती!
हिम्मत रखो टीना, मैं जो तुम्हारे साथ हूं!
नागराज ने टीना को संभाला और अथाह समुद्र में अज्ञात दिशा की ओर तैरने लगा–
कई घंटे तैरने के बाद दूर एक जहाज नजर आया–
अहा, इस जहाज पर जरूर मदद मिलेगी!
नागराज! क्या हम बच पायेंगे?
कुछ ही घंटों की तैराकी के बाद नागराज जहाज तक पहुंचने में सफल हो गया–
उसने नागरस्सी छोड़ी...

DHIRAJ_KUMAR

मैं जानता था, तुम सीमैन के वफादार कुत्ते हो। लेकिन इस समय एकाएक तुम्हें इस जहाज पर देखकर मैं हैरान हूं।
हैरान मत होओ। यह सीमैन का जहाज है। और यही नहीं, मोण्टकार्लो की हर चीज एक तरह से सीमैन की ही है।
गार्ड्स! इन्हें पिंजरे में बंद कर दो।
कुछ देर बाद जहाज उन्हें लेकर पोर्ट पर पहुंचा—
कुछ ही देर में वे डीसिल्वा के साथ सीमैन के हैड-क्वार्टर की तरफ बढ़ रहे थे।
नागराज! तुम्हारी ख्वाहिश पूरी होने जा रही है।
हां टीना! इसीलिए मैं शांत बैठा हूं।
कुछ ही घंटों के सफर के बाद वे सीमैन के सामने थे।
निश्चय ही तुम बहादुर हो नागराज! हमने तुम्हें उड़ते प्लेन से नीचे फिंकवाया, तुम बच गए। सोलो और हण्टर जैसे महान योद्धाओं के चंगुल से भी बच निकले और फिर एक्सीडेंट के बाद समुद्र से भी वापस आ गए...

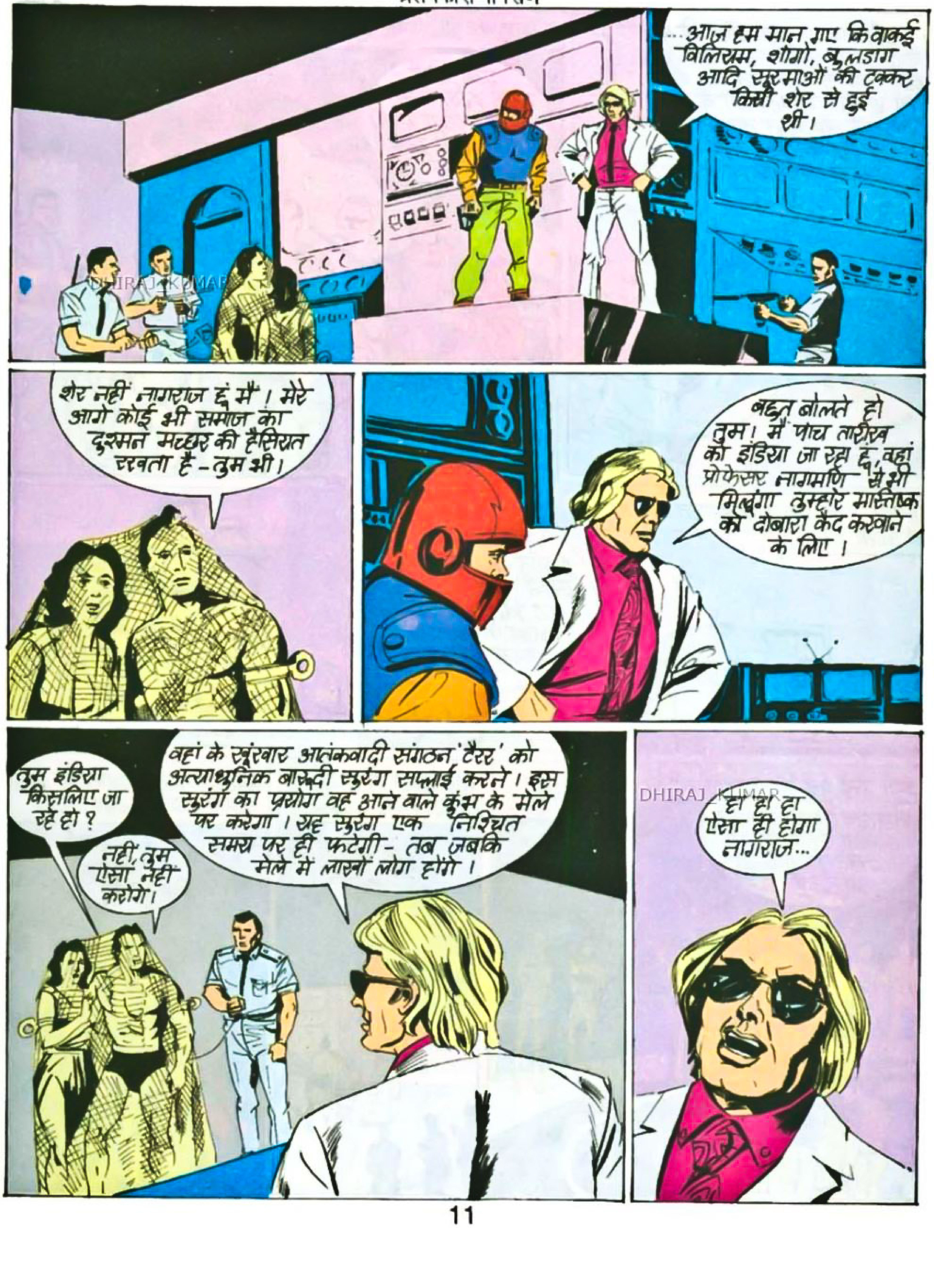
...आज हम मान गए कि वाकई विलियम, शांगो, बुलडाग आदि सूरमाओं की टक्कर किसी शेर से हुई थी।
शेर नहीं नागराज हूं मैं। मेरे आगे कोई भी समाज का दुश्मन मच्छर की हैसियत रखता है - तुम भी।
बहुत बोलते हो तुम। मैं पांच तारीख को इंडिया जा रहा हूं, वहां प्रोफेसर नागमणि से भी मिलूंगा तुम्हारे मस्तिष्क को दोबारा कैद करवाने के लिए।
तुम इंडिया किसलिए जा रहे हो?
वहां के खूंखार आतंकवादी संगठन 'टैरर' को अत्याधुनिक बारूदी सुरंग सप्लाई करने। इस सुरंग का प्रयोग वह आने वाले कुंभ के मेले पर करेगा। यह सुरंग एक निश्चित समय पर ही फटेगी - तब जबकि मेले में लाखों लोग होंगे।
नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगे।
हा हा हा ऐसा ही होगा नागराज...

DHIRAJ_KUMAR

DHIRAJ_KUMAR

पुल पार करके वे दीवार के पास पहुंचकर रुक गये–
हण्टर ने रिमोट कंट्रोलर का बटन दबाया–
दीवार एक तरफ हट गई।
सामने लिफ्ट नजर आने लगी
सब लिफ्ट में सवार हो गए –
और लिफ्ट उन्हें लेकर चल पड़ी।
कुछ देर बाद लिफ्ट का दरवाजा खुला । वे फिर एक सुरंग में थे–
कुछ ही दूर चलकर उन्हें फिर रुक जाना पड़ा –
ओह! यह क्या?
सुरंग के फर्श, छत व दीवारों से अनगिनत खंजर निकले हुए थे।
हण्टर ने वह अवरोध भी हटा दिया –
वे फिर आगे बढ़े और मोड़ पर मुड़ने के बाद रुक गये–
हा हा हा और आ गये मरने!
हम सब मरेंगे।
हां, यहां से कोई वापस नहीं गया।
हण्टर ने उन्हें कुछ पूछने से पहले ही फिर आगे बढ़ने के लिए मजबूर कर दिया।

इसने फिर रिमोट का बटन दबाया है। जरूर कुछ चक्कर है।
हण्टर दीवार में लगे एक लीवर के पास रुका।
लीवर के घूमते ही दरवाजा खुल गया —
चलो अंदर !
दोनों को अंदर धकेलकर हण्टर ने लीवर वापस खींचकर दरवाजा बंद कर दिया —
नागराज ! जब तक सीमैन वापस नहीं आ जाता, तुम यहीं रहोगे।
नागराज ! मैंने यह बटन दबा दिया है। इस सुरंग की छत, दीवार व फर्श में छिपी बारूद की परतें सक्रिय हो उठी हैं। सारी सुरंग बारूदी बन गई है। हा... हा... हा... अलविदा !
ओह, नागराज ! अब हमारा क्या होगा ?
टीना, हमें यहां से बाहर निकलने का रास्ता खोजना पड़ेगा, पांच तारीख से पहले
क्या मतलब ?
टीना, आज तीस तारीख है। अगर हम पांच तारीख से पहले यहां से न निकले तो सीमैन वह बारूदी सुरंग लेकर हिन्दुस्तान पहुंच जाएगा और...

...उससे वहां लाखों लोगों की जानों को खतरा है। मेरे होते यह नहीं हो सकता।
किन्तु नागराज, पहले यहां से बाहर तो निकलो वरना हम भूख से ही दम तोड़ देंगे।
लेकिन दो दिन तक कोई उपाय न निकला—
ओह टीना। मुझे कुछ समझ नहीं आता कि कैसे खोलूं दरवाजे को।
तो इसे तोड़ दो नागराज। तुम तो सर्वशक्तिमान हो।
हां, तोड़ तो मैं इसे जरूर सकता हूं, लेकिन तोड़ते समय कोई भी टूटा हिस्सा यदि नीचे गिरा तो यह बारूदी सुरंग फट जाएगी। हम दोनों मारे जायेंगे।
तीसरे दिन अचानक—
मिल गया... मिल गया।
अरे क्या मिल गया?
नागराज की कलाई से नागरस्सी निकली...
...और लीवर से लिपट गई।
टीना। अब हम यहां से बाहर निकल सकते हैं।
सच?
नागराज ने कलाई को झटका दिया...
...और लीवर घूमता चला गया।

साथ ही दरवाजा भी खुल गया–
ओह नागराज ! मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि हम आजाद हो गये हैं।
रुको टीना ! अभी नहीं। इस खूनी सुरंग को मत भूलो।
एकबार फिर नागराज ने कलाईयां सीधी कीं–
और नागराज के शरीर में विद्यमान असंख्य सर्पों की नागरस्सी चल पड़ी...
...और जाकर दरवाजे के खम्बे से लिपट गई–
अपनी कलाई वाला सिरा नागराज ने कोठरी के जंगले से बांध दिया–
टीना, अब हम इस नागरस्सी पर चलकर यहां से बाहर निकलेंगे।
नागराज की बात सुनकर टीना का चेहरा उतर गया।
क्या हुआ टीना, तुम उदास क्यों हो गई? क्या तुम...
हां, नागराज! मैं इस रस्सी पर नहीं चल सकती। मुझे तो जमीन पर भी खड़े होने से चक्कर आ रहे हैं।
आखिर वे तीन दिन से भूखे-प्यासे वहां पड़े थे।
लेकिन तुम मेरी फिक्र ना करो! तुम यहां से निकल जाओ, इस संसार को तुम्हारी जरूरत है।
नहीं, टीना! मैं तुम्हें छोड़कर यहां से नहीं जाऊंगा।

DHIRAJ KUMAR

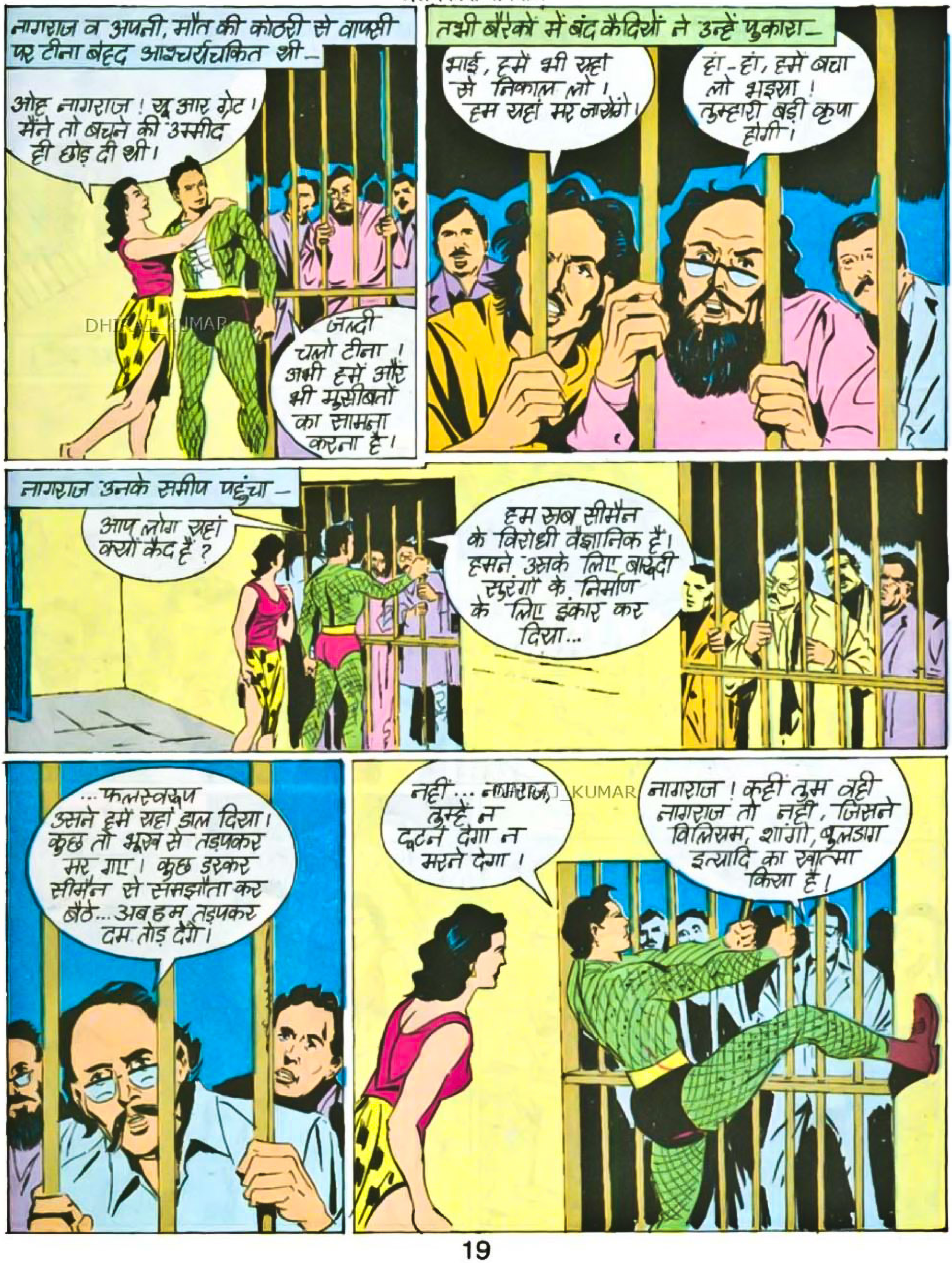
नागराज व अपनी, मौत की कोठरी से वापसी पर टीना बेहद आश्चर्यचकित थी –
ओह नागराज ! यू आर ग्रेट ! मैंने तो बचने की उम्मीद ही छोड़ दी थी।
जल्दी चलो टीना ! अभी हमें और भी मुसीबतों का सामना करना है।
तभी बैरकों में बंद कैदियों ने उन्हें पुकारा –
भाई, हमें भी यहां से निकाल लो। हम यहां मर जाएंगे।
हां-हां, हमें बचा लो भइया ! तुम्हारी बड़ी कृपा होगी।
नागराज उनके समीप पहुंचा –
आप लोग यहां क्यों कैद हैं ?
हम सब सीमैन के विरोधी वैज्ञानिक हैं। हमने उसके लिए बारूदी सुरंगों के निर्माण के लिए इंकार कर दिया...
...फलस्वरूप उसने हमें यहां डाल दिया। कुछ तो भूख से तड़पकर मर गए। कुछ डरकर सीमैन से समझौता कर बैठे... अब हम तड़पकर दम तोड़ देंगे।
नहीं... नागराज तुम्हें न टूटने देगा न मरने देगा।
नागराज ! कहीं तुम वही नागराज तो नहीं, जिसने विलियम, शांगो, बुलडाग इत्यादि का खात्मा किया है !

नागराज ने अपनी असीमित शक्ति के प्रयोग से जंगले को उखाड़ दिया —
धड़ाम
हां, और अब सीमैन की बारी है।
इसी तरह नागराज ने बाकी सबको आजाद करा दिया।
चलो साथियो, हमें यहां से जल्दी ही बाहर निकलना है।
और वे सब आगे बढ़ गए।
उनकी आजादी की पहली रुकावट बने वे अनगिनत चाकू —
नागराज! हममें से किसी की भी इतनी लम्बी कूद नहीं है कि हम उस पार पहुंच जायें।
हां, हम वहां तक नहीं कूद सकते।
नागराज! क्या हम कभी बाहर ना जा सकेंगे?
आप सब खामोश हो जाएं। मुझे सोचने दें।
और कुछ ही देर बाद नागराज उछल पड़ा —
टीना, मैं तुम सबको उधर ले जा सकता हूं।
कैसे?
नागराज ने कलाई सीधी की और सैकड़ों सांप निकलकर चाकुओं की तरफ लपके —

सांप चाकुओं के बीच रेंगते हुए दूसरे छोर तक पहुंच गए-
फिर एक के ऊपर एक नाग चढ़ते गये। और चाकुओं से भी ऊंचे हो गये-
अब हम इस नाग गलीचे पर चलकर उस पार पहुंचेंगे।
नागराज नाग गलीचे पर चलता हुआ आराम से दूसरी तरफ पहुंच गया-
अब आप सब भी एक-एक करके इधर आ जाएं - किन्तु सावधानी से। आपके ज्यादा हिलने से नागों को भी चोट लग सकती है।
DHIRAJ_KUMAR
इस तरह सब बारी-बारी से चलते हुए दूसरी तरफ पहुंच गए।
DHIRAJ_KUMAR
नाग वापस नागराज की कलाईयों में समा गये-
आगे उन्हें दीवार के पास रुकना पड़ा-
नागराज! यह दरवाजा और लिफ्ट केवल रिमोट कंट्रोलर से ही खुल सकते हैं!
और वह है हण्टर के पास।

DHIRAJ_KUMAR
DHIRAJ_KUMAR

तभी टूटे हुए शीशे के सामने लिफ्ट आकर रुकी —
आप सब सावधानी से लिफ्ट में आ जाइए।
DHIRAJ_KUMAR
फिर सबके लिफ्ट में प्रविष्ट होते ही नागराज ने लिफ्ट का बटन दबा दिया —
कुछ देर नीचे जाने के बाद लिफ्ट स्थिर हो गई...
...वे सब बाहर आ गए...
हुर्रे!
किन्तु यह खुशी ज्यादा देर न टिकी। आगे तेजाब का तालाब जो मुंह बाए खड़ा था —
DHIRAJ_KUMAR
नागराज! इसे किस तरह पार करोगे?
टीना, एक और भी समस्या है। आज चार तारीख हो चुकी है..... हमें हर हालत में कल तक बाहर निकलना है।
अचानक एक शुख्स से व्याकुल वैज्ञानिक उठा और तालाब की तरफ भागा—
मैं पार करूंगा इसे... मैं अभी तैरकर उस पार पहुंच जाऊंगा।

....उसने तालाब में छलांग लगा दी—
छपाक
ओ... ह
अगले ही क्षण उसकी हड्डियों का भी पता न चला।
नागराज! कुछ करो वरना हम भी ऐसे ही मर जायेंगे!
नागराज अब हर तरह से निराश हो चुका था—
अब तो गुरू गोरखनाथ जी ही रक्षा कर सकते हैं।
अचानक उसकी कलाईयों से नागनाथ एवं नागानन्द के नेतृत्व में बहुत से नाग निकले...
नागानन्द! नागनाथ!
...और नागरस्सी के रूप में तालाब के उस पार उड़ चले—
सांए
सांए
फिर दूसरी तरफ किनारे पर मौजूद कुण्डों में लिपट गए।
अब क्या होगा?
और नागरस्सी का अंतिम सिरा इस तरफ के किनारे पर लगे कुण्डे में लिपट गया।

और तेजाब के तालाब पर नाग एक पुल बनाने लगे–
कुछ ही क्षणों में पुल बनकर तैयार हो गया।
वाह, नागानंद और नागनाथ ने हमारे बचाव का कितना उम्दा रास्ता निकाला है यह नागपुल बनाकर।
कुछ ही पलों में वे सब तेजाब का भयानक तालाब पार कर गए–
हुर्रे! नागराज, अगर तुम न होते तो हम कभी इस सुरंग से बाहर निकलने की सोच भी नहीं सकते थे।
नागराज ने कलाइयां सीधी की और नाग वापस उसकी कलाइयों में समाने लगे–
सब गुरू गोरखनाथ की कृपा है।
कुछ क्षणोंपरान्त वे दीवार के सामने खड़े थे–
टीना! यह दीवार पार करना कोई मुश्किल कार्य नहीं है। पहले मैं उस तरफ जाऊंगा, फिर तुम सब नागरस्सी के सहारे उधर कूद जाना।

DHIRAJ_KUMAR

इधर सीमैन के सैनिक मुस्तैदी से पहरा दे रहे थे—
कब से यहां यूं ही दिन-रात पड़े हैं हम। किसी काम तो आते नहीं, बेकार पड़े रहते हैं।
हां भई, यहां तक कोई आ ही नहीं सकता।
तभी उन्हें बहुत से सांपों ने घेर लिया—
सांप
सांप
और कुछ देर बाद—
ओह! यह तो सब मर गए!
इंसानियत के दुश्मन जो थे।
मौत के किले से बाहर निकलकर वे एक इमारत के सामने पहुंचकर रुक गए—
ORDNANCE FACTORY
नागराज! यह सीमैन का बारूदी सुरंग का कारखाना है।
प्रोफेसर! फिर तो हम बिल्कुल सही जगह पहुंचे हैं।
सुरंग के सैनिकों की स्टेनगनों की मदद से उन्होंने कारखाने के पहरेदारों का जमकर मुकाबला किया।

और कुछ ही देर बाद पहरेदारों पर काबू पाकर वे कारखाने में प्रविष्ट हो गए।
प्रोफेसर! क्या ऐसा हो सकता है कि यह पूरा कारखाना एक घण्टे बाद इसी बारूद से ध्वस्त हो जाए?
हां, हम ऐसा कर सकते हैं।
सभी वैज्ञानिक तेजी से कार्य में जुट गए।
ठक ठक ठक
तभी वहां भागते हुए कदमों की आवाज गूंजने लगी—
अगले ही पल उन्हें डी-सिल्वा व उसके साथियों ने घेर लिया—
पकड़ लो इन सबको!
किन्तु इससे पहले कि कोई भी अपनी जगह से हिलता, नागसेना के जहरीले नागों ने उन्हें डसकर यमपुरी पहुंचा दिया—
अपने सिपाहियों को मरते देख डी-सिल्वा कांप उठा—
नागराज! मुझे माफ कर दो। मुझे मत मारना। मैं तुम्हारा गुलाम हूं।
नहीं! नागराज गद्दारों व मौत से डरने वाले कायरों को कभी माफ नहीं करता।
कहने के साथ ही नागराज ने डी-सिल्वा के चेहरे पर अपने मुंह से जहरीली फुंकार मारी....
...और अगली सांस डी-सिल्वा के जीवन की आखिरी सांस बन गई।

तभी कारखाने से इंजन का तेज शोर गूंजने लगा···
घर्र्र्र्र
...और अगले ही क्षण हप्टर की मोटर-साईकिल वहां आकर रुकी—
वह मोटर-साईकिल से उतरकर गरजा—
नागराज! इन्हें मारकर यह न समझना कि तुम जीत गये। मैं अकेला ही तुम सबके लिए काफी हूं।
और अगले ही पल···
...हप्टर के जोरदार वार ने जहां नागराज का सिर झन्ना दिया वहीं उसके दिमाग में एक विचार भी आया··
····उसने नीचे रखी वैल्डिंग मशीन को चालू किया और तार लेकर हप्टर के सामने कूद पड़ा—
उस आग की प्रचण्ड गर्मी ने हप्टर के बख्तरबंद को बुरी तरह गरम कर दिया—
आह!
हप्टर बुरी तरह झुलसने लगा।

हप्पर ने बचने के बहुत प्रयास किए, किन्तु —
आह··· मुझे मत मारो नागराज!
नहीं, तुम्हें जीने का कोई हक नहीं है हप्पर!
फिर वह ज़मीन पर गिर गया···
···और तड़प-तड़पकर मर गया।
यह तो मर गया लगता है नागराज!
हां टीना!
नागराज! हमने प्रबन्ध कर दिया है। ठीक एक घण्टे बाद यहां विस्फोट होगा, जिससे यह पूरी इमारत ध्वस्त हो जाएगी।
ठीक है। बाहर दो हैलीकॉप्टर खड़े हैं। आप सब टीना के साथ एक हैलीकॉप्टर में यहां से निकल जाएं। मैं सीमैन को लेकर आता हूं।
नागराज ने सीमैन को हर जगह तलाशा···
···किन्तु वह उसे कहीं न मिला —
अंत में वह सीमैन के कंट्रोल रूम में आ गया—
कहां छुप गया कमबख्त!

तभी सीमैन नागराज के पीछे प्रकट हुआ—
नागराज! तुमने मुझे बहुत नुकसान पहुंचाया है। मैं तुम्हें खत्म कर दूंगा।
और सीमैन ने गोलियाँ चला दीं—
तड़... तड़... तड़... तड़
किन्तु नागराज मुस्कराता हुआ उसकी ओर बढ़ता रहा।
नागराज पर गोलियों का असर क्यों नहीं होता? पढ़ें कॉमिक्स "नागराज"
नागराज पर गोलियों का कोई असर न होता देख सीमैन ने हथगोला निकाल लिया—
कमाल है, इस पर गोलियों का कोई असर नहीं हुआ!
नागराज, तुम गोलियों से तो बच गए, किन्तु इस हथगोले से तुम्हें कोई नहीं बचा सकता।
फिर उसने गोला नागराज पर उछाल दिया—
धड़ाम
हथगोला जमीन से टकराया।
परन्तु नागराज उससे पहले ही वह जगह छोड़ चुका था।
नागराज का कोई भी बाल-बांका नहीं कर सकता सीमैन!
और इससे पहले कि सीमैन कुछ और शैतानी हरकत करता वह नागरस्सी में जकड़ा जा चुका था।

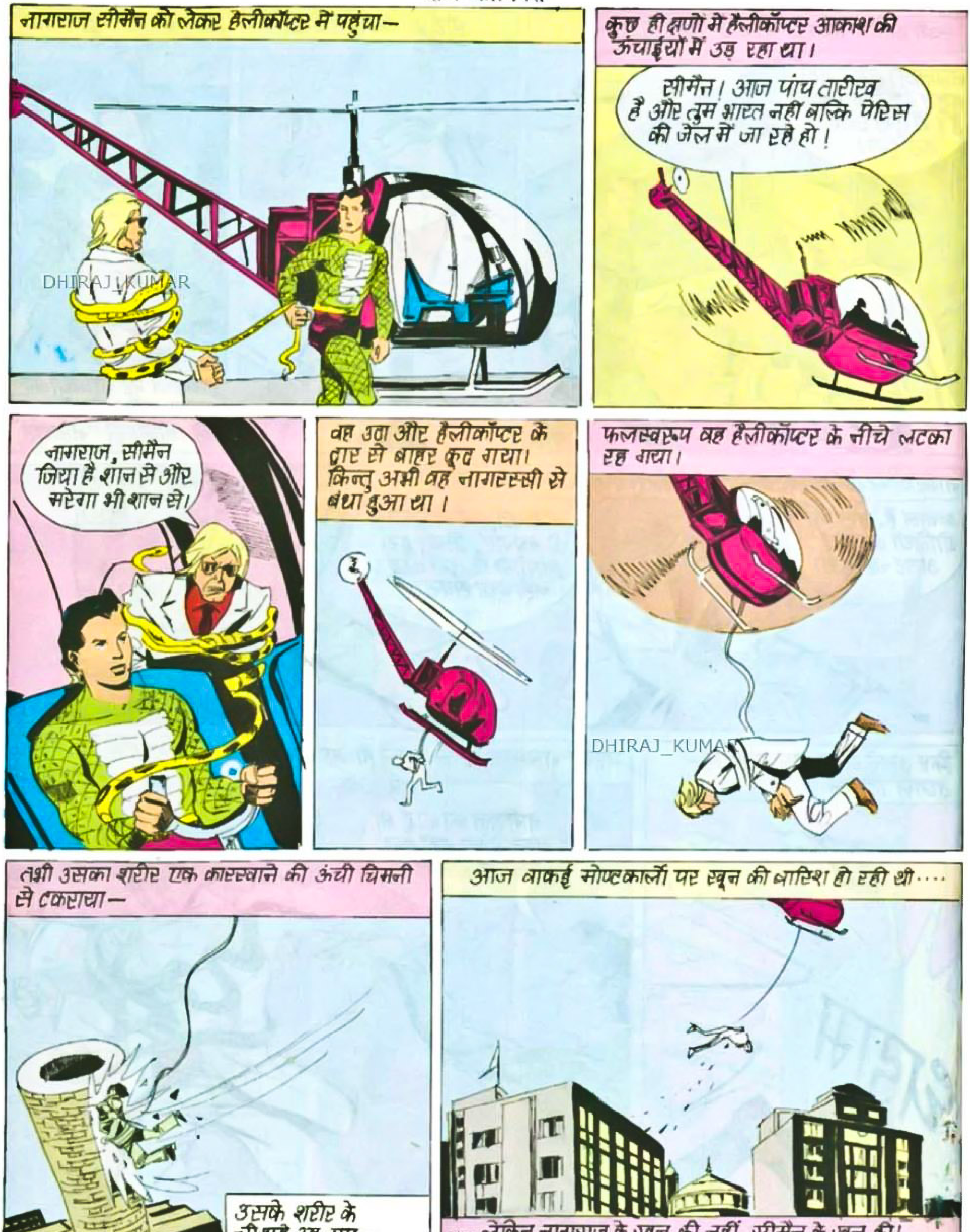
नागराज सीमैन को लेकर हैलीकॉप्टर में पहुंचा—
कुछ ही क्षणों में हैलीकॉप्टर आकाश की ऊंचाईयों में उड़ रहा था।
सीमैन! आज पांच तारीख है और तुम भारत नहीं बल्कि पेरिस की जेल में जा रहे हो!
नागराज, सीमैन जिया है शान से और मरेगा भी शान से।
वह उठा और हैलीकॉप्टर के द्वार से बाहर कूद गया। किन्तु अभी वह नागरस्सी से बंधा हुआ था।
फलस्वरूप वह हैलीकॉप्टर के नीचे लटका रह गया।
तभी उसका शरीर एक कारखाने की ऊंची चिमनी से टकराया—
उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए--
आज वाकई मोण्टकार्लो पर खून की बारिश हो रही थी....
....लेकिन नागराज के खून की नहीं, सीमैन के खून की।

• समाप्त •